आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.02.2026 समय : 1905

- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने छब्बीस ग्यारह मुम्बई आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को होटल ताज में श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ श्री ने मैंक्रों प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा कीं।

- ग्रेट निकोबार में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय कन्टेनर ट्रांशिपमेन्ट टर्मिनल को राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने मंजूरी दी। इसके साथ ही तटरेखा परिर्वतन की सुरक्षा को सुनिश्चित करने को कहा।

- नमूनाघर, मीठाखाड़ी और ओग्राब्राज में राजस्व भूमि को दक्षिण अंडमान प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओं अभियान के तहत कब्ज़े से मुक्त कराया।

- जहाजरानी सेवा निदेशालय ने फीनिक्स बे और बम्बूफ्लाट जेट्टी के बीच फेरी सेवाओं में बढ़ोतरी कर यात्री सुविधा और कनेक्टीविटी सुनिश्चित की।

<><><><><><><>

आज मुंबई के लोक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक सहयोग पर चर्चा की। इस अवसर पर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। अपने मुंबई दौरे के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों ने ऐतिहासिक ताज महल पैलेस होटल में 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के संघर्ष में एकजुटता दिखाई। सोशल मीडिया पर साझा संदेश में उन्होंने कहा कि फ्रांस आतंकवाद के सामने भारत के साथ खड़ा है, और पीड़ित परिजन को पूर्ण समर्थन देता है। राष्ट्रपति मैक्रों ने भारतीय सिनेमा के प्रमुख हस्तियों से भी संवाद किया, जिससे दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय हरित अधिकरण–एन जी टी ने ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल को मंजूरी दे दी है। अधिकरण ने कहा है कि इसके लिए पर्यावरण मंजूरी की शर्तों में

पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। एन जी टी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली कोलकाता की पूर्वी क्षेत्रीय पीठ ने कल यह आदेश पारित किया। इससे पहले, कई याचिकाओं में परियोजना के लिए दी गई स्वीकृतियों को चुनौती दी गई थी, जिनमें द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना के उल्लंघन का दावा किया गया था। एन जी टी ने कहा है कि पर्यावरण सहमति की शर्तों का पूर्ण और प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण मंत्रालय समुद्र तट पर कोरल रीफ की सुरक्षा के सभी उपाय करेगा और परियोजना क्षेत्रों के पास उपयुक्त क्षेत्रों में कोरल के पुनरूत्थान के लिए वैज्ञानिक विधियों का उपयोग सुनिश्चित करेगा। एन जी टी ने सुझाव दिया कि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान जैसी संस्थाएं इसमें शामिल की जा सकती है। ग्रेट निकोबार द्वीप के तट रेखा क्षरण पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने कहा कि किसी भी तरह का तट रेखा परिवर्तन न हो और पूरे द्वीप में रेतीले समुद्र तट सुरक्षित रहें। क्योंकि ये समुद्र तट कछुओं और पक्षियों के घोंसलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एन जी टी ने यह भी कहा कि द्वीप समूह में कोई उच्च क्षरण क्षेत्र नहीं है इसलिए, तीन मौसम का डेटा होना आवश्यक नहीं है।

<><><><><><><>

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत अगले दो वर्षों में ए आई के क्षेत्र में दो सौ अरब डॉलर से अधिक के निवेश की अपेक्षा कर रहा है। आज नई दिल्ली में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के संबंध में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि इस सम्मेलन में देश के हर कोने से लोग इसमें भाग लेने के लिए आ रहे हैं। भारत ए आई के उचित और उत्तरदायी उपयोग पर वैश्विक नेताओं के बीच सहमति बनाने का प्रयास करेगा, ताकि इसका उपयोग मानवता के हित में किया जा सके। ए आई पारितंत्र में वास्तविक कठिनाइयाँ और बाधाएँ हैं, जिनका समाधान तकनीकी–विधिक दृष्टिकोण से किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का समाधान केवल नियमों या मात्र कानून बनाने से संभव नहीं है।

<><><><><><><>

जिला प्रशासन ने नमूनाघर, मिठाखाड़ी और ओग्राब्रज ग्रामों में अतिरिक्त कब्जे से राजस्व भूमि को मुक्त कराने के लिए व्यापक अभियान चलाया। यह भूमि अधिसूचित एवं अभिलेखित वन सीमाओं से बाहर पाई गई थी और वन विभाग के अतिरिक्त कब्जे में थी। सरकारी भूमि के संरक्षण के वैधानिक दायित्व के तहत राजस्व अभिलेखों के सत्यापन, सीमांकन और अतिरिक्त भूमि की पहचान के बाद 11 फरवरी को अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान अतिरिक्त राजस्व भूमि पर लगाए गए लगभग 170 सीमेंट के खंभों को हटाया गया। ये खंभे सरकारी खाते में दर्ज राजस्व भूमि पर बिना वैध अनुमति के

स्थापित किए गए थे। कार्रवाई के परिणामस्वरूप फेरारगंज तहसील के अंतर्गत तीनों ग्रामों में अवैध कब्जे में रही कुल तेईस दशमलव आठ नौ पांच हेक्टेयर भूमि को प्रशासन ने अपने अधिकार में ले लिया। भूमि को पुनः सरकारी खाते में दर्ज कर राजस्व विभाग ने विधिवत कब्जा ग्रहण कर लिया है।

<><><><><><><>

संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा है कि भारत ए आई के वर्चस्व के दौर की दहलीज पर खड़ा है। डॉ. कुमार आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के एक सौ सत्ताइसवें स्थापना दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब सब कुछ सहज उपलब्ध होने लगता है, तब सुविधा में डूब जाने का आकर्षण बढ़ जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आँकड़ों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु वह मानवीय प्रश्न उत्पन्न नहीं कर सकती, जिनके उत्तर भविष्य की दिशा निर्धारित करते हैं। भविष्य इस बात से निर्धारित नहीं होगा कि जीवन कितना सरल हो गया है, बल्कि इस बात से होगा कि आप उस सरलता का उपयोग किस प्रकार करते हैं। वर्तमान पीढ़ी ने सार और शोर के बीच अंतर करने की क्षमता विकसित की है। शोर से सार को पृथक करने की कला में दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ए आई के युग में दुष्प्रचार मौजूद है और यह खतरनाक है।

<><><><><><><>

जहाजरानी सेवा निदेशालय ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फीनिक्स बे जेट्टी और बम्बूफ्लैट जेट्टी के बीच संचालित फेरी सेवाओं में बढ़ोतरी की है। संशोधित समय–सारिणी कल से लागू हो गई। बढ़ती यात्री संख्या और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अतिरिक्त फेरी सेवाएं जोड़े गए हैं। इससे दैनिक आवागमन करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी और प्रतीक्षा समय में कमी आएगी। संशोधित कार्यक्रम के तहत सुबह छ बजकर पन्द्रह मिनट पर फीनिक्स बे से पहली यात्री फेरी रवाना होगी, जबकि वाहन फेरी सात बजे चलेगी। इसके अलावा सात बजकर पन्द्रह मिनट, आठ बजकर पन्द्रह मिनट, नौ बजकर पन्द्रह मिनट तथा साढ़े दस बजे भी यात्री फेरियां उपलब्ध रहेंगी। दोपहर और शाम के समय में भी कई फेरियां संचालित होंगी, जिनमें बारह बजे, दो बजे, तीन बजकर पन्द्रह मिनट, पांच बजकर पन्द्रह मिनट, छ बजकर पन्द्रह मिनट, सात बजकर पन्द्रह मिनट तथा आठ बजकर पन्द्रह मिनट की सेवाएं शामिल हैं। बम्बूफ्लैट से फीनिक्स बे के लिए भी संशोधित समय के अनुसार सुबह पांच बजकर पन्द्रह मिनट में पहली फेरी होप टाउन मार्ग से रवाना होगी। इसके बाद नियमित अंतराल पर दिनभर फेरियां संचालित होंगी।

<><><><><><><>